Vol. 2025-2
April - June 2025

e-Newsletter

(MPBOU)

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
RAJA BHOJ MARG, KOLAR ROAD, BHOPAL (M.P.)

Developing Graduate Employability Framework in Open Universities (OU's) in West and Central Region of India
3 दिवसीय कार्यशाला 27-29 मार्च 2025

कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (COL) और कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (Col CEMCA) की ओर से Graduate Employment (GE) framework development पर 3 दिवसीय कार्यशाला 27-29 मार्च 2025 को अहमदाबाद, भारत में आयोजित की गई। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी (BAOU) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में म. प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल, पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी (बिलासपुर), यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र ओपन यूनिवर्सिटी (नासिक) और BAOU के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए । कार्यशाला का उद्देश्य पूरे भारत में ओपन यूनिवर्सिटी (OU) के छात्रों की करियर संभावनाओं को बढ़ाने के लिए संस्थागत ढांचे का विकास करना था।

म. प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल से डॉ. नीलम वासनिक, डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी, डॉ. बी. गोपाल कृष्ण एवं सुश्री निधि रावल गौतम द्वारा भाग लिया गया |

Developing Graduate Employability Framework in Open Universities (OU's) in West and Central Region of India
3 दिवसीय कार्यशाला 27-29 मार्च 2025

कार्यशाला के अध्यक्षीय उद्बोधन में, BAOU की कुलपति प्रोफेसर अमी उपाध्याय द्वारा इस परिवर्तनकारी पहल की अगुआई करने और OUs के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए COL और CEMCA की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संकाय विकास प्रयासों को शिक्षार्थियों के लिए लाभकारी अवसर में बदलना चाहिए तथा उन्हें रोजगार योग्य कौशल के लिए तैयार करना चाहिए। प्रोफेसर उपाध्याय ने इस मिशन में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, और उनसे इसे जुनून और प्रतिबद्धता के साथ निष्पादित करने का आग्रह किया। उन्होंने वास्तविक छात्र प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए नामांकन मैट्रिक से आगे बढ़कर उच्च स्तर के परिणाम के महत्व को अपनाने पर भी जोर दिया गया। निष्पादन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने टिप्पणी की, "वांछित परिणाम हेतु कार्यवाही के बिना योजना बनाना व्यर्थ है, तथा योजना के बिना कार्यवाही लक्ष्यहीन है ।"

COL-CEMCA के निदेशक डॉ. बी. शैड्रैक द्वारा विषय के महत्व पर प्रकाश डाला गया। जिसमें उन्होंने GE परियोजना को भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 से जोड़ा। उन्होंने कहा कि NEP 2020 भारतीय मूल्यों और वैश्विक नागरिकता को बढ़ावा देते हुए शिक्षा को कौशल विकास के साथ जोड़ती है। डॉ. शैड्रैक ने 18 भारतीय OU द्वारा संयुक्त रूप से संचालित GE पहल को इस दृष्टिकोण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने OU से कौशल विकास के उभरते रुझानों के अनुकूल होने और राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (NCVET) और सेक्टर स्किल काउंसिल जैसे प्रमुख हितधारकों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) के अंतर्गत रोजगार पर ध्यान केंद्रित करने पर भी प्रकाश डाला, और OU को बेहतर रैंकिंग के लिए इसका लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस
दिनांक 21/05/2025

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में दिनांक 21/05/2025 को अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर विद्यार्थियों, कर्मचारियों, अधिकारियों और शिक्षकों को तंबाकू के उपयोग पर प्रतिबंध से अवगत कराया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सहायता विभाग के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी ने विश्वविद्यालय परिवार को तंबाकू निषेध की शपथ दिलाई। उन्होंने तंबाकू से होने वाली बीमारियों एवं अन्य दुष्प्रभावों से बचने के लिए सभी को तंबाकू, सिगरेट, सिगार, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट, गुटका, खैनी आदि का इस्तेमाल न करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि, तंबाकू खाने से अनेक बीमारियाँ हो सकती हैं, जिनमें कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक और फेफड़ों की बीमारियाँ शामिल हैं। तंबाकू के सेवन से मुंह, जीभ, मसूड़े, गले, फेफड़ों, मूत्राशय और अग्न्याशय में कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा तंबाकू रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाकर दिल का दौरा पड़ने की संभावना भी बढ़ाता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. एल.पी. झरिया, प्रो. विभा मिश्रा, डॉ. अनीता कौशल, प्रभारी कुलसचिव श्री नितिन सांगले सहित विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक और विधार्थी उपस्थित रहे।

पुण्यश्लोका देवी अहिल्या बाई होलकर जी की 300वीं जन्म शताब्दी
दिनांक 27/05/2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

(NAAC द्वारा 'A' ग्रेड प्रत्यायित)

पुण्यश्लोका देवी अहिल्या बाई होलकर जी की 300वीं जन्म शताब्दी
के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

"देवी अहिल्याबाई: जीवन और दर्शन"

मुख्य वक्ता
डॉ. उत्तम सिंह चौहान
वित्त नियंत्रक

अध्यक्ष
श्री के.सी. गुप्ता, आई ए एस
माननीय कुलगुरु

दिनांक: 27 मई, 2025, अपरान्ह् 3:30 बजे
स्थान: विश्वविद्यालय सभागार

पुण्यश्लोका देवी अहिल्या बाई होलकर जी की 300वीं जन्म शताब्दी
दिनांक 27/05/2025

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन और दर्शन पर आधारित व्याख्यान और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर और अकादमिक समन्वय विभाग के

निदेशक प्रो. उत्तम सिंह चौहान मुख्य वक्ता के रूप में रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु श्री के.सी. गुप्ता, IAS द्वारा की गई।

पुण्यश्लोका देवी अहिल्या बाई होलकर जी की 300वीं जन्म शताब्दी
दिनांक 27/05/2025

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. उत्तम सिंह चौहान ने देवी अहिल्या के जीवन और दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का शासन हमारे लिए सुशासन का एक आदर्श मॉडल था। उन्होंने भारत में सांस्कृतिक एकता स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. चौहान ने कहा कि देवी अहिल्या ने अपने राजनीतिक कूटनीतिक कुशलता का उदाहरण प्रस्तुत किया, पूना के राघव जी पेशवा ने जब होलकर राज्य पर कब्जा करने के इरादे से अपनी सेना के साथ आगे बढ़ रहे थे तो देवी अहिल्या ने अपनी महिला सेना बनाई थी और राघव जी के सामने यह संदेश भिजवाया कि अगर आप युद्ध में हमें हरा देते हैं तो हमारा कुछ नहीं जाएगा लेकिन अगर आप महिलाओं से हार जाते हैं तो आपकी बहुत निंदा होगी। उनके इस कूटनीतिक चतुराई के सामने राघव जी ने होलकर पर चढ़ाई करने का इरादा छोड़ दिया।

डॉ. चौहान ने इस बात पर विशेष बल दिया कि देवी अहिल्या ने उस समय से ही राज्य के विकास में निजीकरण को आगे बढ़ाया और उसके कई प्रमाण हमें आज भी देखने को मिलते हैं। देवी अहिल्या ने शिवलिंग के प्रतीक का उपयोग अपने सुशासन हेतु किया जिससे उन्हें सर्व स्वीकारता हासिल हो सके।

पुण्यश्लोका देवी अहिल्या बाई होलकर जी की 300वीं जन्म शताब्दी
दिनांक 27/05/2025

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु के. सी. गुप्ता ने कहा कि 1787 में बंगाल गजट में यह बात छपी थी की अहिल्या बाई होलकर देवी के रूप में पूजी जाएंगी। जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें एक संत शासक कहा था जिन्होंने 28 वर्षों तक राज किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ॰ सुशील मंडेरिया ने कहा कि देवी अहिल्या बाई को उनके शौर्य एवं वीरता के लिये याद किया जाता है।

पुण्यश्लोका देवी अहिल्या बाई होलकर जी की 300वीं जन्म शताब्दी
दिनांक 27/05/2025

नव प्रदेश

लोकमाता अहिल्याबाई का शासन सुशासन का आदर्श मॉडल था : प्रो. चौहान

भोज विश्वविद्यालय में देवी अहिल्याबाई के जीवन और दर्शन पर आधारित कार्यक्रम संपन्न

लोकमाता अहिल्याबाई का शासन सुशासन का आदर्श मॉडल था:प्रो. उत्तम सिंह चौहान

भोज विश्वविद्यालय में देवी अहिल्याबाई के जीवन और दर्शन पर आधारित कार्यक्रम संपन्न

भोपाल। मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन और दर्शन पर आधारित व्याख्यान और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान के प्रोफेसर और अकादमिक समन्वय विभाग के निदेशक प्रो. उत्तम सिंह चौहान मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु कैप्टन गुप्ता द्वारा की गई। मुख्य वक्ता डॉ. उत्तम सिंह चौहान ने देवी अहिल्या के जीवन और दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का शासन हमारे लिए सुशासन का एक आदर्श मॉडल था। उन्होंने भारत में सांस्कृतिक एकता स्थापित करने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाई। डॉ. चौहान ने कहा कि देवी अहिल्या ने अपने राजनीतिक कूटनीतिक कुशलता का उदाहरण प्रस्तुत किया, पूना के राघव जी पेशवा ने जब होलकर राज्य पर कब्जा करने के इरादे से अपनी सेना के साथ आगे बढ़ रहे थे तो देवी अहिल्या ने अपनी महिला सेना बनाई थी और राघव जी के सामने यह संदेश भिजवाया कि अगर आप युद्ध में हमें हरा देते है तो हमारा कुछ नहीं जाएगा लेकिन अगर आप महिलाओं से हार जाते हैं तो आपकी बहुत बदनामी होगी। उनके इस कूटनीतिक चतुराई के सामने राघव जी ने होल्कर पर चढ़ाई करने का इरादा छोड़ दिया। डॉ. चौहान ने इस बात पर विशेष बल दिया कि देवी अहिल्या ने उस समय से ही राज्य के विकास में निजीकरण को आगे बढ़ाया और उसके कई प्रमाण हमें आज भी देखने को मिलते हैं। देवी अहिल्या ने शिवलिंग के प्रतीक का इस्तेमाल अपने सुशासन हेतु किया जिससे सर्व स्वीकारता हासिल हो सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु कैप्टन गुप्ता ने कहा कि 1787 में बंगाल गजट में छपी बात छपी थी की अहिल्या बाई होलकर देवी के रूप में पूजी जाएगी। जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें एक रत्न शासक कहा था। देवी अहिल्या ने 28 वर्षों तक राज किया।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला
विषय: NATIONAL CAPACITY BUILDING WORKSHOP ON GRADUATE EMPLOYABILITY & SKILLS QUALIFICATION PACK (QP)
स्थान – IGNOU, NEW DELHI
दिनांक 4 से 6 जून 2025

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) एवं कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA) के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला "NATIONAL CAPACITY BUILDING WORKSHOP ON GRADUATE EMPLOYABILITY & SKILLS QUALIFICATION PACK (QP)" का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU), नई दिल्ली मे 4 से 6 जून 2025 को किया गया। उक्त कार्यशाला भारत में ओपन यूनिवर्सिटी प्रणाली में कौशल-आधारित, समावेशी और परिणाम-उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। इस नवगठित एसोसिएशन का उद्देश्य ओपन यूनिवर्सिटी के बीच एक साझा मंच तैयार करना है, जहाँ व्यावसायिक कौशल विकास और बेहतर रोजगार क्षमता के लिए विचार-विमर्श किया जा सके। यह एसोसिएशन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020, राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा (NSQF) और राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (NCRF) के लक्ष्यों के साथ समन्वय स्थापित करेगा, तथा व्यावसायिक योग्यता को शैक्षणिक कार्यक्रमों में एकीकृत करने के लिए नीति समर्थन और सहयोग को बढ़ावा देगा। तीन दिनों तक देशभर की 17 ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति एवं प्रतिभागियों द्वारा चर्चा की गई, कि किस प्रकार व्यावसायिक शिक्षा को शैक्षणिक ढांचे में मजबूती से जोड़ा जा सकता है ताकि स्नातकों को उद्योग के अनुरूप कौशल युक्त और रोजगार योग्य बनाया जा सके।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला
विषय: NATIONAL CAPACITY BUILDING WORKSHOP ON GRADUATE EMPLOYABILITY & SKILLS QUALIFICATION PACK (QP)
स्थान – IGNOU, NEW DELHI
दिनांक 4 से 6 जून 2025

उक्त कार्यशाला में मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय से डॉ. बी. गोपाल कृष्ण, वरिष्ठ सलाहकार, CIQA द्वारा भाग लिया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक शिक्षा को सुलभ, समावेशी बनाना और इसे उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालना था ।

कार्यशाला के दूसरे दिन निम्नलिखित बिन्दुओं पर अनुशंसा की गई –

- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे उभरते क्षेत्रों में क्रेडिट आधारित मॉड्यूल का विकास,
- शिक्षकों के लिए बेहतर प्रशिक्षण कार्यक्रम,
- ओपन यूनिवर्सिटी में संगठित करियर सेवा प्रणाली की स्थापना।

साथ ही, इस पर भी सहमति ली गई कि पाठ्यक्रम अनुसंधान–आधारित, परिणाम–केंद्रित और रोजगारोन्मुख होना चाहिए।

कार्यशाला के अंतिम दिन INDIAN PUBLIC OPEN UNIVERSITIES ASSOCIATION (IPOUA) के गठन की औपचारिक घोषणा की गई। यह नया संगठन संपूर्ण देश में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग सिस्टम को आधुनिक बनाने और उसके विस्तार के लिए समन्वित प्रयास करेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम
दिनांक 05/06/2025

दिनांक 5 जून 2025 को विश्व पृथ्वी दिवस एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल के मुख्यालय में पर्यावरणीय चेतना एवं सतत विकास के उद्देश्य से विविध प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विश्वविद्यालय ने पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उत्तरदायित्व एवं प्लास्टिक प्रदूषण जैसे सम-सामयिक विषयों पर जागरूकता बढ़ाने की पहल की।

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम
दिनांक 05/06/2025

विश्वविद्यालय में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिन का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण की चुनौती और सतत विकास के प्रति जन–जागरूकता को बढ़ावा देना था। विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने "प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं" विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसी विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से पर्यावरणीय संदेशों को चित्रों में उतारा। इसके अतिरिक्त "विश्व पृथ्वी दिवस" विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने पर्यावरणीय समस्याओं, उनके समाधान तथा व्यक्तिगत और सामाजिक उत्तरदायित्वों पर आधारित विचार प्रस्तुत किए। इन सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचारों तथा रचनात्मक क्षमताओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी के रूप में बीज बॉल निर्माण गतिविधि रखी गई, जिसका उद्देश्य वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना एवं प्रकृति से जुड़ाव को बढ़ाना रहा।

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम
दिनांक 05/06/2025

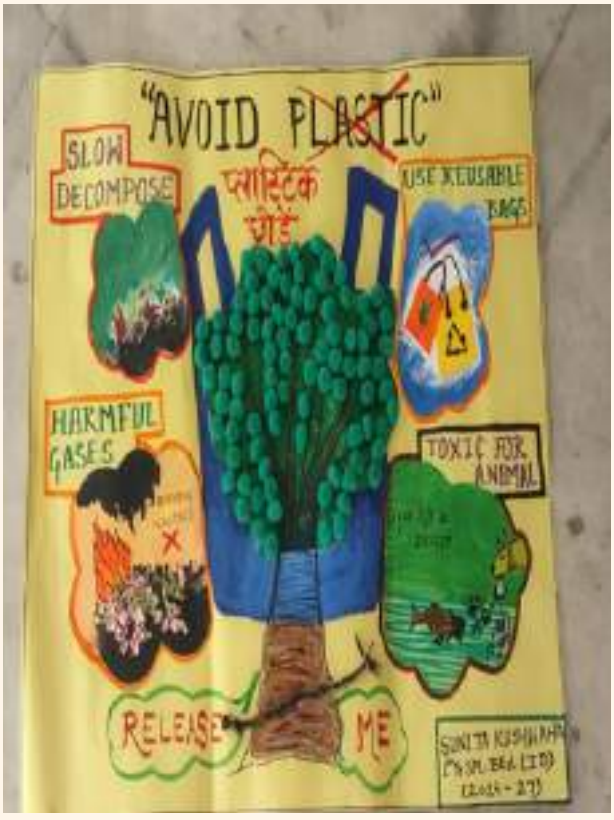

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम
दिनांक 05/06/2025

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ॰ सुशील मंडेरिया ने विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की थीम **"प्लास्टिक प्रदूषण को हरायें"** विषय पर चर्चा करते हुए SINGLE USE PLASTIC के दुष्प्रभाव बताए तथा विद्यार्थियों को पृथ्वी एवं प्रकृति के प्रति जागरूक एवं संवेदन शील होने का संदेश दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम
दिनांक 05/06/2025

दो दिवसीय इनक्यूबेटर कार्यशाला
दिनांक 10 - 11 जून 2025

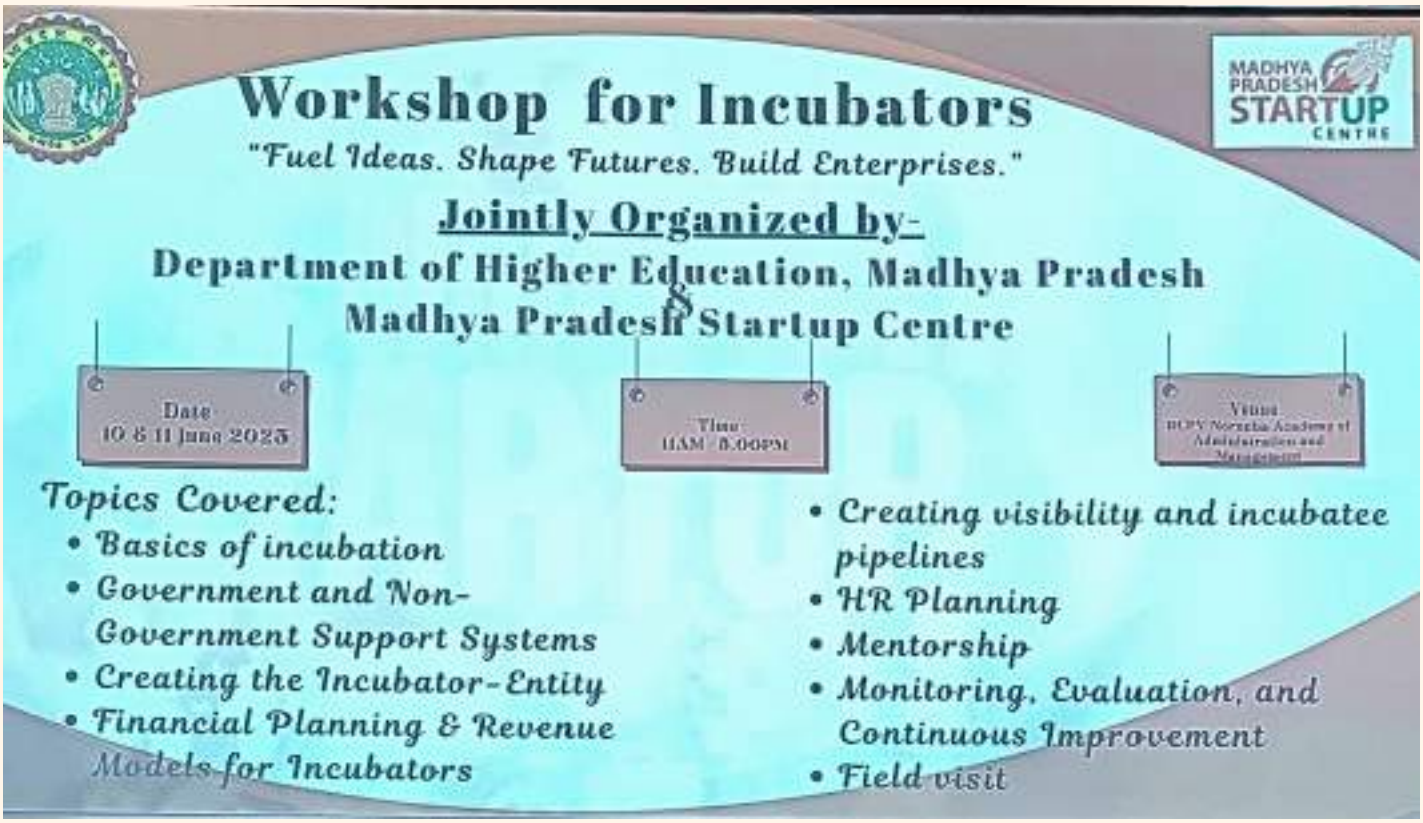

दिनांक 10 और 11 जून 2025 को आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश स्टार्टअप सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय इनक्यूबेटर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता अनुपम राजन, IAS, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा और श्री निशांत वरवड़े, IAS, आयुक्त, उच्च शिक्षा ने की।

दो दिवसीय इनक्यूबेटर कार्यशाला
दिनांक 10 - 11 जून 2025

इस अवसर पर मध्य प्रदेश स्टार्टअप सेंटर (एमपीएससी) की कार्यकारी प्रमुख डॉ. आभा ऋषि और उच्च शिक्षा की विशेष कर्तव्य अधिकारी डॉ. उषा नायर भी मौजूद थीं। कार्यशाला में इनक्यूबेशन की मूलभूत अवधारणाओं, सरकारी एवं गैर-सरकारी सहयोग प्रणालियों, वित्तीय योजना, मानव संसाधन रणनीतियों, मेंटरशिप तथा निगरानी एवं मूल्यांकन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा सत्र आयोजित किए गए। उद्घघाटन सत्र में उच्च शिक्षा विभाग तथा समापन सत्र में एमएसएमई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मध्य प्रदेश के 47 विद्यालय एवं विश्वविद्यालय से आये प्रतिभागियों को संबोधित किया।

भोज विश्वविद्यालय से प्रभारी निदेशक, इन्क्यूबेशन, डॉ. शुचि मिश्रा एवं सुश्री निधि रावल गौतम, वरिष्ठ सलाहकार द्वारा भाग लिया गया | कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान करने हेतु AIC-RNTU इनक्यूबेशन सेंटर की फील्ड विजिट भी आयोजित गई। यह कार्यशाला नवाचार आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रही।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "योग संगम"
थीम: "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग"
दिनांक 21 जून 2025

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "योग संगम"
थीम: "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग"
दिनांक 21 जून 2025

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 21 जून को प्रातः 6 बजे से विश्वविद्यालय मुख्य परिसर में योग संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन का सीधा प्रसारण देखा गया। उसके पश्चात विशाखापटनम से माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण भी देखा गया। योग सत्र का संचालन विशिष्ट योग प्रशिक्षक डॉ. राखी मिश्रा द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों को कॉमन योगा प्रोटोकाल अनुसार विभिन्न आसनों, प्राणायाम एवं ध्यान की तकनीकियों का अभ्यास कराया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "योग संगम"
थीम: "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग"
दिनांक 21 जून 2025

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "योग संगम"
थीम: "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग"
दिनांक 21 जून 2025

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "योग संगम"
थीम: "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग"
दिनांक 21 जून 2025

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "योग संगम"
थीम: "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग"
दिनांक 21 जून 2025

कार्यक्रम के संरक्षक माननीय कुलगुरू श्री के. सी. गुप्ता (IAS) के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन में कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "योग संगम"
थीम: "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग"
दिनांक 21 जून 2025

राष्ट्रीय हिन्दी मेल
दिनांक- 22/06/2025 पृष्ठ क्रमांक- 3 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में योग संगम का आयोजन संपन्न

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 21 जून को प्रातः 6 बजे से विश्वविद्यालय मुख्य परिसर में योग संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य मंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन का सीधा प्रसारण देखा गया। उसके पश्चात विशाखापत्तनम से प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण भी देखा गया । योग सत्र का संचालन विशिष्ट योग प्रशिक्षक डॉ. राखी मिश्रा द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों को कॉमन योगा प्रोटोकाल अनुसार विभिन्न आसनों, प्राणायाम एवं ध्यान की तकनीकों का अभ्यास कराया।